Priority for drinkng water facilities in S S projects

4264. SHRI CHIMANBHAI MEHTA:
SHRI G. G. SWELL:

Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the drinking water facilities to be made available to 8214 villages and 135 urban centres would get priority in SSP project over other demands of irrigation and electricity consumption; and

(b) whether Government would direct SSP authorities to see that water is made available to Kutch and Saurashtra as projected by Narmada Tribunal?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) and (b) Yes, Sir.

सिंचाई संभाव्यता और उपयोग के बीच अन्तर

4265. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सिंचाई सृजित संभाव्यता तथा इसके उपयोग के बीच अंतर है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार ने उपरोक्त अन्तर को कम करने हेतु क्या प्रयास किये हैं; और

(घ) 31 मार्च, 1995 तक इन प्रयासों में कहां तक सफलता मिली है ?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी.वी. रंगैया नायडू) : (क) जी, हां ।

(ख) 1994–95 के अन्त तक, सृजित सिंचाई क्षमता और इसके उपयोग के मध्य संभावित अन्तर 9.4 मिलियन हैक्टेयर है ।

(ग) और (घ) इस अन्तर को कम करने के लिये केन्द्र प्रायोजित एक कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम 1974–75 से कार्यान्वित किया जा रहा है । 8वीं योजना (1992-97) के दौरान इस कार्यक्रम के लिये 2510.13 करोड़ रुपये का परिव्यय है । अन्य उपचारात्मक उपायों में अन्य बातों के साथ-साथ ये शामिल हैं: अधिक क्षेत्र को सूचना देने के बजाय जल और फसल के हिसाब पर बल देना, पुरानी योजनाओं की वास्तविक क्षमता का पुनर्मूल्यांकन, आंकड़ों की नियमित सूचना और वार्षिक निष्पादन पुनरीक्षा । इसमें प्राप्त सफलता की मात्रा बताना संभव नहीं है । तथापि, सृजित सिंचाई क्षमता के उपयोग में सुधार करने के लिये उपर्युक्त उपाय किये गये हैं ।

गंगा-पद्मा नदी कटाव संबंधी ज्ञापन

4266. **श्रीमती सरला माहेश्वरी** :
श्री मोहम्मद सलीम :
श्री नीलोत्पल बसु :

क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पश्चिम बंगाल के एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने मुर्शिदाबाद तथा मालदा जिले में गंगा-पद्मा नदी के कटाव के बारे में सरकार को कोई ज्ञापन दिया है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इस पर क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ग) यदि कोई कार्यवाही नहीं की गई तो उसके क्या कारण हैं ?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी.वी. रंगैया नायडू) : (क) से (ग) पश्चिम बंगाल विधान सभा के एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने 22 फरवरी, 1995 को केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री से मुलाकात की तथा मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में गंगा-पद्मा नदियों की तट कटाव समस्याओं पर एक ज्ञापन प्रस्तुत किया । इस प्रतिनिधिमंडल ने आठवीं योजना की शेष अवधि के लिये अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता के रूप में 50 करोड़ रुपये निर्मुक्त करने तथा रेल पथ, राष्ट्रीय राज मार्ग की सुरक्षा की सम्पूर्ण लागत केन्द्र द्वारा वहन किये जाने की मांग की । राज्य सरकार के अधिकारियों से पूर्ण रूप से प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है ताकि इसकी जांच करके निवेश स्वीकृति के लिये विचार किया जा सके ।

उत्तर प्रदेश में नहर का निर्माण

4267. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश में नहर का निर्माण करने की कोई योजना बनाई है और क्या इस नहर के निर्माण हेतु केन्द्रीय स्तर पर सहायता प्रदान की गई है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक क्या प्रगति हुई है और गत दो वर्षों के दौरान सहायता के रूप में कितनी धनराशि दी गई है ; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके कारण क्या है ?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी.वी. रंगैया नायडू) : (क) से (ग) विद्यमान नीति के अनुसार सिंचाई परियोजनाओं की आयोजना, प्रतिपादन, वित्त पोषण तथा क्रियान्वयन राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है । केन्द्रीय सहायता एक मुश्त ऋण और अनुदानों के रूप में प्रदान की जाती है जो विकास के किसी विशिष्ट क्षेत्र अथवा परियोजना से संबद्ध नहीं होती है ।

Damage to Sardar Sarovar Dam

4268. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a huge chunk about 65,000 cu. metres of concrete work was washed away from the Sardar Sarovar Dam over three months back, i.e. November, 1994;

(b) if so, what was the extent of damage suffered by the dam and the main factors responsible therefor; and

(c) how far it exposes a permanent threat to ecology, environment and the surroundings which are inherent in the very structure and design of the dam?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WATER RESOURCES (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) to (c) Due to unprecedented flood in the first week of September, 1994, there has been some damage to the stilling basin of Sardar Sarovar Dam which is located on the downstream of the dam. About 65,000 cubic metres of concrete was washed away and the estimated loss is of the order of Rs. 10 crores. The dam did not suffer any damage. All aspects of the damage to the stilling basin including its cause, repairs and further construction of the dam have been examined by an independent Dam Safety Panel comprising experts on different disciplines. There is is no parmanent